वैश्विक अध्ययन केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली - 110007

संश्लेषण

(सी जी एस हिंदी मासिक पत्रिका)

मुख्य कथ्य- 'नव-नारीवादी प्रतिमान: स्थान, सम्मान एवं स्वाभिमान'

लेखकों के लिए आवश्यक निर्देश

वर्तमान समय नारी अधिकार के दृष्टिकोण से संक्रमण का काल है। नारी अधिकार संबंधी जो परंपरागत विषय नारीवादी आंदोलनों का आधार थे, आज उन विषयों में व्यापकता दृष्टिगत हो रही है। आज सम्पूर्ण विश्व में नारी-विषयक समस्याओं एवं उनके प्रति बौद्धिक प्रतिक्रियाओं ने नारीवाद को परंपरागत आयामों से बाहर निकालकर नव-नारीवाद के परिधि में स्थापित कर दिया है। इस नव-नारीवाद में भारत में तीन-तलाक के विरुद्ध तथा वर्तमान में ईरान में हिजाब के विरुद्ध प्रतिक्रियाओं को देखा जा सकता है, जिसने इस विषय के विद्वानों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का ध्यान आकृष्ट किया है। नारीवाद के इसी 'नव' पक्ष को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत कथ्य के माध्यम से शोध केंद्र इस महत्वपूर्ण विषय पर शोधार्थियों से गंभीर आलेख की अपेक्षा करता है।

लेख मुख्य कथ्य **'नव-नारीवादी प्रतिमान: स्थान, सम्मान एवं स्वाभिमान'** के किसी भी आयाम पर आधारित होना चाहिए।

1. लेख हिंदी भाषा में ही स्वीकृत होंगे।
2. टिप्पणियों एवं संदर्भों सहित लेख 2000 शब्दों तक सीमित होना चाहिए।
3. समस्त टिप्पणियाँ एवं संदर्भ लेख के अंत में सम्मिलित किए जाने चाहिए।
4. लेख निम्न प्रारूप के अनुसार होना चाहिए:

   क) अक्षर (फॉन्ट) - कृतिदेव 011 अथवा यूनिकोड

ख) अक्षर आकार - 14

ग) पंक्ति अंतराल - 1.5

घ) संदर्भ प्रारूप - ए पी ए शैली

5. लेख मौलिक होना चाहिए। प्रत्येक लेख केंद्र के साहित्यिक चौर्य सॉफ्टवेयर (Plagiarism Software) द्वारा जाँच के पश्चात ही समीक्षा के लिए समीक्षकों को अग्रेषित होगा। निर्धारित मानक (10 प्रतिशत) से अधिक साहित्यिक चौर्य की स्थिति में आलेख अस्वीकृत कर दिया जाएगा।
6. लेखक का नाम, पद तथा संस्थागत संबद्धता प्रथम पृष्ठ पर ही होना चाहिए।
7. सह-लेखन केवल दो लेखकों तक ही सीमित है। लेखक / सह-लेखक किसी भी रूप में केवल एक ही लेख प्रेषित कर सकते हैं।
8. लेखक/कों को एक प्रख्यापन / घोषणापत्र (संलग्न) देना होगा, जिसमें उन्हें यह घोषित करना होगा कि उनका यह लेख पूर्ण रूप से मौलिक है तथा अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।
9. लेख को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अंतिम निर्णय संपादक मंडल का ही होगा।
10. प्रकाशित लेख वैश्विक अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की बौद्धिक संपदा होगा।

लेख प्रेषण:

लेख (घोषणा पत्र सहित) एम एस वर्ड प्रारूप में synthesis.cgs@gmail.com पर प्रेषित किया जा सकता है।

प्रेषण सीमारेखा:

लेख प्रेषित करने की अंतिम तिथि शुक्रवार, 28 अक्टूबर 2022 है।

संपर्क:

पत्रिका अथवा लेख के संबंध में किसी भी पूछताछ के लिए संपादक मंडल – synthesis.cgs@gmail.com / +91-11-27666281 से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

संपादक मंडल

घोषणा

मैं / हम _____

यह घोषणा करते हैं कि मेरा / हमारा यह लेख जिसका शीर्षक _____

है, पूर्ण रूप से मौलिक है। यह लेख अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।

[हस्ताक्षर]

[नाम]

[पद / संस्थान]

दूरभाष:

ई-मेल:

तिथि: **स्थान:**